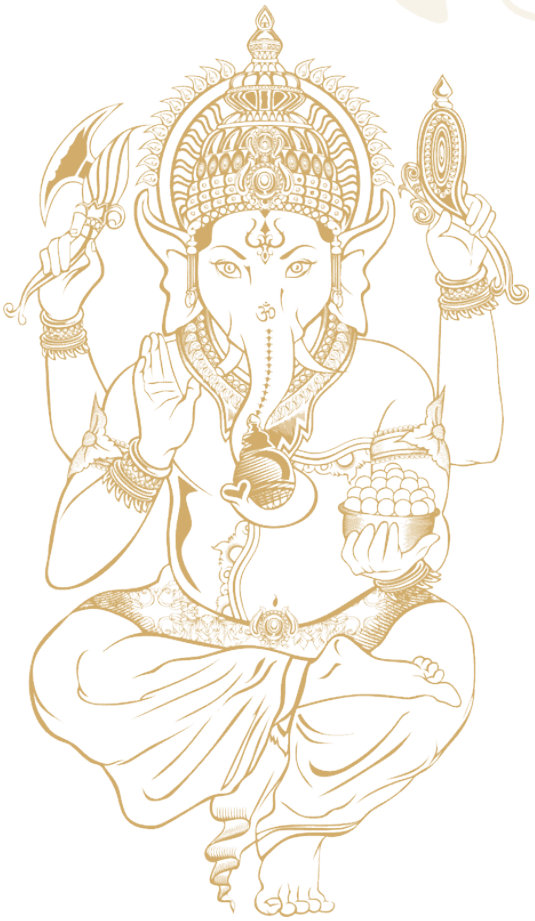

Mr.kapil

Ms.gauri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120485802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/12/2025	जन्म तिथि	19/10/1999
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 08:49:24	जन्म समय(घटी)	32:14:18 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Hathras
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:14	सूर्योदय	06:20:01
17:25:05	सूर्यास्त	17:45:37
24:13:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

विंशोत्तरी बुध 11वर्ष 5मा 0दि बुध		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 6वर्ष 8मा 1दि गुरु	
09/12/2025		14:27:33	मक	लग्न	वृष	00:42:01	**21/06/2024**	
10/05/2037		23:08:43	वृश्चि	सूर्य	तुला	01:52:40	**21/06/2040**	
	00/00/0000	21:02:43	कर्क	चंद्र	मक	23:57:29	गुरु	09/08/2026
	09/12/2025	01:11:27	धनु	मंगल	धनु	07:57:45	शनि	19/02/2029
शुक्र	04/08/2026	02:35:19	वृश्चि	बुध	तुला	25:26:03	बुध	28/05/2031
सूर्य	10/06/2027	29:41:47	मिथु व	गुरु व	मेष	06:38:46	केतु	03/05/2032
चन्द्र	08/11/2028	16:18:02	वृश्चि	शुक्र	सिंह	15:54:10	शुक्र	02/01/2035
मंगल	06/11/2029	18:53:30	मीन	शनि व	मेष	21:15:39	सूर्य	21/10/2035
राहु	25/05/2032	18:53:30	कुंभ व	राहु व	कर्क	15:57:25	चन्द्र	19/02/2037
गुरु	31/08/2034	04:30:05	सिंह व	केतु व	मक	15:57:25	मंगल	26/01/2038
शनि	10/05/2037	05:09:09	वृष व	हर्ष व	मक	19:01:05	राहु	21/06/2040
		07:52:13	मीन व	नेप	मक	07:44:45		
			मक	प्लूटो	वृश्चि	14:53:15		

लग्न-चलित

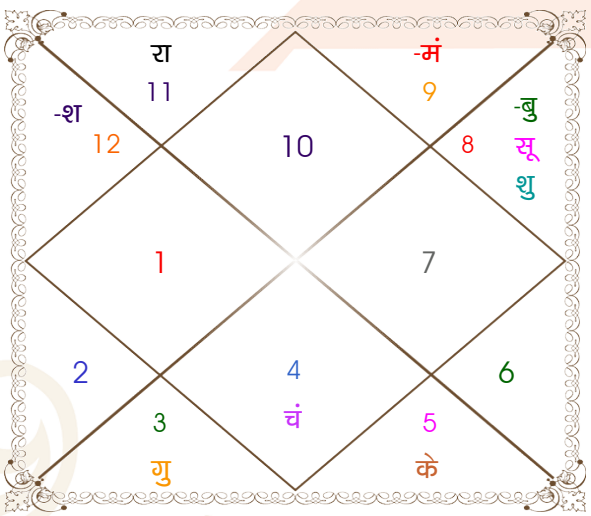

लग्न-चलित

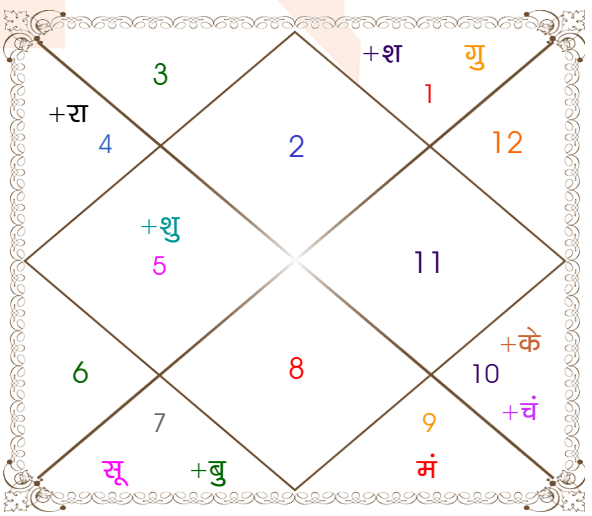

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.kapil का वर्ग श्वान है तथा Ms.gauri का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.kapil और Ms.gauri का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.kapil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.kapil कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.gauri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.gauri कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.gauri कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.kapil कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.kapil तथा Ms.gauri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।